

Our Website- <https://thehindipage.com/blog/>

Join Telegram- <https://t.me/siddhivinayakpariwarsangaria>

Our Youtube Channel- <https://www.youtube.com/channel/UCJIUDM0uPIL7kEO0ZMdDcHg>
(Channel Name- SIDDHI VINAYAK SANGARIA)

Our Youtube Channel- <https://www.youtube.com/channel/UCCuzYzFjV7wh6egIWsl8pMQ>
(For Competitive Exam: Channel Name- SIDDHI VINAYAK PARIWAR)

जलवायु

किसी स्थान विशेष के मौसम की औसत दशा को जलवायु कहते हैं। मॉकहाऊस (Monkhouse) के अनुसार "जलवायु वस्तुतः किसी स्थान विशेष की दीर्घकालीन मौसमी दशाओं के विवरण को सम्मिलित करती है। जलवायु में एक विस्तृत क्षेत्र में दीर्घकाल की वायुमण्डलीय अवस्थाओं का विवरण होता है अतः मौसम की तुलना में जलवायु शब्द का अर्थ व्यापक होता है।

जलवायु का वर्गीकरण

संसार की जलवायु के वर्गीकरण का प्रथम प्रयास प्राचीन यूनानवासियों ने किया था उन्होंने तापमान के आधार पर संसार को तीन कटिबंधों 1. उष्ण कटिबंध, 2 शीतोष्ण कटिबंध व 3. शीत कटिबंध में विभाजित किया था।

कोपेन के अनुसार जलवायु का वर्गीकरण जर्मनी के प्रसिद्ध जलवायुवेत्ता ब्लॉडिमिर कोपेन ने विश्व की जलवायु का वर्गीकरण सर्वप्रथम 1900 में प्रस्तुत किया, जिसका आधार संसार के वनस्पति प्रदेश थे। कोपेन ने बाद में इसमें परिवर्तन भी किया।

उसने वर्गीकरण का आधार तापमान, वर्षा तथा उनके मौसमी स्वभावों को माना। उसने इन तत्वों का वनस्पति के साथ संबंध जोड़ने का प्रयास किया, क्योंकि

उसको विश्वास था कि जलवायु की सम्पूर्णता का सबसे अच्छा दर्शन प्राकृतिक वनस्पति में मिलता है। कोपेन ने संसार की जलवायु को पाँच मुख्य भागों में बाँटने के लिए अंग्रेजी के बड़े अक्षरों A, B, C, D तथा E का प्रयोग करते हुए उपविभाग किये गये हैं, जिनके लिए बड़े अक्षरों के साथ छोटे अक्षरों का प्रयोग किया गया है। कोपेन के जलवायु का वर्गीकरण का विवरण निम्नानुसार है-

1. A ऊष्ण कटिबंधीय आर्द्र जलवायु-

यहाँ पर वर्ष के प्रत्येक महीने में औसत तापमान 18 °C से अधिक रहता है इस जलवायु में शीत ऋतु का अभाव होता है। यहाँ वर्ष भर वाष्पीकरण की अपेक्षा वर्षा अधिक होती है। वर्षा, ताप तथा शुष्कता के आधार पर इसके तीन उप विभाग किये गये हैं।

- I. **Af-** ऊष्ण कटिबंधीय आर्द्र जलवायु- जहाँ पर वर्ष भर वर्षा हो, वार्षिक तापान्तर बिल्कुल नहीं होता तथा शुष्कता का अभाव हो।
- II. **Am-** ऊष्ण कटिबंधीय मानसूनी जलवायु- यहाँ पर वर्षा की अधिकता होने के कारण वन भी अधिक मिलते हैं। यहाँ एक लघु शुष्क ऋतु पाई जाती है
- III. **Aw-** ऊष्ण कटिबंधीय आर्द्र एवं शुष्क जलवायु इसे ऊष्ण कटिबंधीय सवाना जलवायु भी कहते हैं। यहाँ पर वर्ष भर उच्च तापमान रहता है। यहाँ पर ग्रीष्मकाल में वर्षा तथा शीतकाल शुष्क रहता है।

2. B शुष्क जलवायु- इसमें वर्षा की अपेक्षा वाष्पीकरण अधिक होता है अतः यहाँ अतिरिक्त जल की कमी रहती है। तापमान तथा वर्षा के कारण इसे दो भागों में बाँटा जा सकता है-

- (i) **BS- स्टैपी प्रदेश-** यहाँ वर्षा की मात्रा शुष्क घास के लिए पर्याप्त रहती है।

(ii) **BW- मरुस्थलीय प्रदेश-** यहाँ वर्षा की मात्रा वनस्पति के लिए अपर्याप्त होती है। ये स्टैपी तथा मरुस्थलीय जलवायु को तापमान के आधार पर दो-दो उप विभागों में बाँटा गया है-

- (i) BSh- ऊष्ण कटिबंधीय स्टैपी जलवायु
- (ii) BSk- शीत स्टैपी जलवायु
- (iii) BWb- ऊष्ण कटिबंधीय मरुस्थलीय जलवायु
- (iv) BWk- शीत कटिबंधीय मरुस्थलीय जलवायु

3 C ऊष्ण शीतोष्ण आर्द्र जलवायु- इसे सम शीतोष्ण आर्द्र जलवायु भी कहते हैं। यहाँ पर सबसे ठण्डे महीने का औसत तापमान 18°C से कम तथा तथा 30 से अधिक होता है। यहाँ पर ग्रीष्म व शीत दोनों ऋतु पाई जाती है। इसमें शीत ऋतु कठोर नहीं होती। वर्षा के मौसमी वितरण के आधार पर निम्नलिखित तीन भाग किये गये हैं-

- (i) CF- वर्ष पर्यन्त वर्षा
- (i) Cw- ग्रीष्मकाल में अत्यधिक वर्षा
- (ii) Cs- शीतकाल में अधिक वर्षा

इसके अन्य उप विभाग-

a- गर्म ग्रीष्म काल

b- शीत ग्रीष्म काल

c- अल्पकालिक ग्रीष्म काल।

4. D शीत शीतोष्ण जलवायु- इस जलवायु में सर्वाधिक ठण्डे महीने का तापमान -3°C कम होता है तथा सबसे गर्म महीने का औसत तापमान 10°C से अधिक होता है। यहाँ पर कोणधारी बन पाये जाते हैं। इसके दो मुख्य उप विभाग हैं-

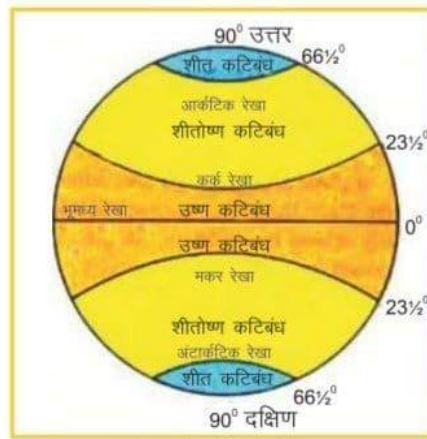
(i) Dr- वर्ष पर्यन्त वर्षा

(ii) Dw- ग्रीष्मकाल में वर्षा, शीत ऋतु शुष्क

5. E ध्रुवीय जलवायु-

(i) ET- टुण्ड्रा तुल्य जलवायु- इसमें ग्रीष्मकालीन तापमान 0°C से 10°C के मध्य रहता है।

(ii) EF- हिमाच्छादित जलवायु- यहाँ ग्रीष्मकालीन तापमान 0°C से कम रहता है। यहाँ पर वर्ष भर बर्फ जमीं रहती है।



विश्व के प्रमुख कटिबंध

तापमान के आधार पर पृथ्वी के कटिबंध	अक्षांशीय स्थिति और विस्तार	प्रमुख विशेषताएँ
(अ) उष्ण कटिबंध (निम्न अक्षांशों में)	0° से $23\frac{1}{2}^{\circ}$ उत्तर और दक्षिण अक्षांश (भूमध्य रेखा से कर्क रेखा तक उत्तरी गोलार्द्ध में और भूमध्य रेखा से मकर रेखा तक दक्षिणी गोलार्द्ध में)	<ul style="list-style-type: none">यहाँ जलवायु वर्ष भर गर्म और आर्द्र रहती है।सूर्य की किरणें वर्ष में कम से कम एक बार लम्बवत पड़ती हैं।मौसम में ज्यादा परिवर्तन नहीं होता— गर्मी और सर्दी एक जैसा ही रहता है।यहाँ भारत, श्रीलंका एवं ब्राजील प्रमुख देश हैं।
(ब) शीतोष्ण कटिबंध (मध्य अक्षांशों में)	$23\frac{1}{2}^{\circ}$ से $66\frac{1}{2}^{\circ}$ उत्तर और दक्षिण अक्षांश (कर्क रेखा से आर्कटिक रेखा तक और मकर रेखा से अंटार्कटिक रेखा तक)	<ul style="list-style-type: none">जलवायु सुहावनी रहती है।सूर्य कभी सिर पर नहीं रहता।यहाँ ऋतुएँ होती हैं— बसंत, गर्मी, पतझड़ और सर्दी।उत्तरी गोलार्द्ध में यहाँ ब्रिटेन और दक्षिणी गोलार्द्ध में न्यूजीलैंड प्रमुख देश हैं।
(स) शीत कटिबंध (उच्च अक्षांशों में)	$66\frac{1}{2}^{\circ}$ से 90° उत्तर और दक्षिण अक्षांश (आर्कटिक रेखा से उत्तरी ध्रुव तक और अंटार्कटिक रेखा से दक्षिणी ध्रुव तक)	<ul style="list-style-type: none">यहाँ सबसे ठण्डे प्रदेश हैं। यह स्थान अधिकांशतः बर्फ से ढके रहते हैं। यहाँ 6 महीने दिन और 6 महीने रात रहती है। इसलिए यहाँ बहुत कम लोग बसते हैं।उत्तर में यहाँ आर्कटिक प्रदेश है तथा दक्षिण में अंटार्कटिका। प्रमुख देश कनाडा, स्वीडन, फिनलैंड और नॉर्वे हैं।